

शौचालय में गिरने से महिला की मौत
गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव निवासी उषा संजय दिरबुडे की शौचालय में गिर जाने से मौत हो गई. उषा स्तन कैंसर से पीड़ित थी और उसका ऑपरेशन हुआ था. शौचालय में हुआ चक्कर आकर गिरने के बाद उसे साकोली के उपजिला अस्पताल में ले जाया गया था. जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. पुलिस ने मामला दर्ज किया

साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : अभिषेक चौहान | संपादक : नवीन अग्रवाल

E-mail : bulandgondia@gmail.com | E-paper : bulandgondia.net | Office Contact No.: 7670079009 | RNI NO. MAH-HIN-2020/84319



वर्ष : 4 | अंक : 49

गोंदिया : गुरुवार, दि. 18 जुलाई से 24 जुलाई 2024

पृष्ठ : 4 मूल्य : रु. 5

मुख्यमंत्री-मेरी लाइली बहन योजना में एक भी पात्र लाभार्थी न छूटे-जिलाधिकारी प्रजीत नायर

नारी शक्ति ऐप के माध्यम से आवेदन करें

बुलंद गोंदिया-मुख्यमंत्री-मेरी लाइली बहन योजना शासन की एक महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजना है तथा प्रत्येक पात्र महिला का इस योजना के अंतर्गत पंजीयन कराना सभी संबंधितों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी प्रजीत नायर ने निर्देश दिये कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। जोके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में योजना की समीक्षा कर सभी व्यवस्थाओं का मार्गदर्शन किया।



फैसले के मुताबिक, 21 से 65 साल की उम्र की लड़कियों और महिलाओं को अब इस योजना में 1500 रुपये प्रति माह का वित्तीय लाभ मिलेगा. पहले चरण का रजिस्ट्रेशन 31 अगस्त



जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरगनाथम, निवासी उपजिलाधिकारी विजया बनकर और विभिन्न विभागों के अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। अब आम महिलाएं भी नारी शक्ति दत्त ऐप के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। जिलाधिकारी ने एप में आवेदन भरने में कोई समस्या आने पर नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्र में भी आवेदन भरने की अपील की है। भरे हुए आवेदन पत्र को आंगनबाड़ी केन्द्र, बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय, सेतु सुविधा केन्द्र में नामित कर्मचारियों द्वारा दर्ज किया जाएगा और दायित्व किए गए आवेदन की उचित पावती दी जाएगी। सरकार के संशोधित

तक होगा. इसलिए जिलाधिकारी ने लड़कियों और महिलाओं से अपील की है कि वे रजिस्ट्रेशन के लिए भीड़ न लगाएं। जिलाधिकारी प्रजीत नायर ने लोगों से अपील की कि वे मुख्यमंत्री-मेरी लाइली बहन योजना के आवेदन पत्र भरने या योजना का लाभ उठाने के लिए पैसे मांगने के असामाजिक सिद्धांतों का शिकार न हों। यह राशि पात्र महिला के आधार से जुड़े प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सक्षम बैंक खाते में जमा की जाएगी। 21 से 65 वर्ष की आयु की विवाहित, विधवा, तलाकशुदा, विधुर एवं निराश्रित महिलाओं के परिवार में केवल एक अविवाहित महिला ही लाभ के लिए पात्र होगी।

सचिन (बंटी) मिश्रा गोंदिया जिला मजदूर सहकारी संस्था के दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित उपाध्यक्ष दीपक कदम सचिव नरहर प्रसाद मस्करे

बुलंद गोंदिया।

गोंदिया जिला मजदूर सहकारी संस्था के अध्यक्ष के चुनाव 16 जुलाई को संस्था के कार्यालय में आयोजित किया गया था जिसमें सचिन (बंटी) सूरज प्रसाद मिश्रा दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित हुए साथ ही उपाध्यक्ष पद पर दीपक कदम व सचिव पद पर नरहर प्रसाद मस्करे निर्वाचित हुए।

गोंदिया जिला मजदूर सहकारी संस्था के संचालक मंडल का चुनाव गत दिनों संपन्न हुआ जिसमें आगामी कार्यकाल 2024 से 2029 के लिए विकास एकता पैनल के सभी संचालक निर्वाचित हुए थे।



इसके पश्चात 16 जुलाई को जिला मजदूर संघ के जिला कार्यालय में चुनाव अधिकारी मुकुंद पवार जिला उप निबंधक के नेतृत्व में सहायक चुनाव अधिकारी सिद्धार्थ गणवीर द्वारा अध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न करवाए गए। जिसमें दोपहर 12.00

बजे नामांकन में अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र सचिन मिश्रा, उपाध्यक्ष पद के लिए दीपक कदम व सचिव पद के लिए नरहर प्रसाद मस्करे के आवेदन आए जिस पर 12.30 पर चुनाव अधिकारी द्वारा उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। सचिन बंटी मिश्रा वह दीपक कदम के द्वितीय बार निर्विरोध अध्यक्ष व उपाध्यक्ष निर्वाचित होने होने पर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को बैंक संचालक राजेंद्र एन जैन, राजा गुबरेले, श्याम चन्दनकर, सतीश राउत- तिलक लारोकर, गुणवंत चन्दनकर, धनिराम भंडारी, लोकेश नागपुरे, सविता माने, सविता चंद्रिकापुरे, दूलेन्द्र कटरे, प्रतीक कदम, संतोष कायते, जयंत कछवा, छाया कुंभलकर, राजेश केलंका, सतीश चव्हाण, यश चोरसिया, पंकज मिश्रा- नरेश भंडारकर आदि ने शुभकामना दी।

राजस्व कर्मचारी का दूसरे दिन भी रहा काम बंद आंदोलन सभी शासकीय कार्यालय में सन्नटा नागरिकों करना पड़ रहा परेशानियों का सामना

बुलंद गोंदिया। राजस्व कर्मचारी का संपूर्ण राज्यव्यापी कामबंद आंदोलन 15 जुलाई से शुरू हुआ जो दूसरे दिन 16 जुलाई को भी शुरू रहा जिससे नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है की महाराष्ट्र राज्य राजस्व कर्मचारी संगठन द्वारा अपनी विभिन्न प्रस्तावित मांगों को लेकर 23 जून 2024 को आंदोलन के लिए सरकार को चेतावनी दी थी। जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम काले फीते लगाकर आंदोलन किया गया लेकिन इस दौरान सरकार की उपेक्षा के चलते 15 जुलाई से अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन शुरू किया गया है। जिसमें जिलाधिकारी कार्यालय, उपविभागीय

कार्यालय व तहसील कार्यालय के सभी राजस्व विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर हैं जिसमें जिले में सैकड़ों कर्मचारियों का समावेश है। जिसके चलते सभी शासकीय कार्यालय में सन्नटा पसर गया तथा जिले के नागरिकों को विभिन्न कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें वर्तमान में चल रही मुख्यमंत्री मेरी लाइली बहन योजना के लिए लगने वाले प्रमाण पत्र के साथ-साथ सालेय विद्यार्थियों व किसानों को भी काफी परेशानी उठाना पड़ रहा है। बुधवार 17 जुलाई को मोहरम का



शासकीय अवकाश होने के साथ यदि गुरुवार व शुक्रवार को भी हड़ताल खत्म नहीं हुई तो पूरा सप्ताह हड़ताल की भेंट चढ़ जाएगा।

अपराधियों सुधर जाओ अन्यथा होगी कड़ी कार्रवाई

» शहर पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते ने पेशेवरों को दी कड़ी चेतावनी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के नए पुलिस निरीक्षक का पदभार संभालते ही शहरकी कानून व्यवस्था में सुधार लाने व अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इसी के अंतर्गत गुरुवार 11 जुलाई को शहर के पेशेवर अपराधियों को शहर पुलिस थाने में बुलाकर चेतावनी देकर सुधारने का निर्देश दिया अन्यथा उन पर होंगी कड़ी कार्रवाई। गौरतलब है की गत दिनों राज्य में पुलिस निरीक्षकों के तबादले किए गए जिसमें गोंदिया शहर के पुलिस निरीक्षक सूर्यवंशी का तबादला पुणे होने के पश्चात शहर पुलिस थाने के निरीक्षक के रूप में किशोर पर्वते की नियुक्ति की गई है।



शहर पुलिस थाने के निरीक्षक पद पर नियुक्ति होते ही शहर में अपराध व अपराधियों पर लगाम लगाने

जानकारी देते हुए बताया कि शहर में पुलिस व नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा तथा शहर में पुलिस की पैट्रोलिंग बढ़ाने के साथ-साथ ही विभिन्न नशे के कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा पेशेवर अपराधियों को किसी भी रूप में बक्सा नहीं जाएगा कानून के अंतर्गत उन पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई कर मामले दर्ज किए जाएंगे।

पेशेवरों का रिकॉर्ड

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत 5 वर्षों में जिन अपराधियों पर एक से अधिक अपराधिक मामले दर्ज हैं. उन सभी को शहर पुलिस थाने में बुलाकर उनकी वर्तमान की फोटो, मोबाइल नंबर, तीन मित्रों के नंबर, परिवार जनों के नंबर का कलेक्शन कर उनका डाटाबेस तैयार किया गया है। जिससे किसी भी क्षेत्र में कोई भी आपराधिक गतिविधियों होने पर संस्यीत अपराधियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

कुछ गैर सरकारी लोग कर रहे वसूली बिचौलियों से रहें सावधान

गोंदिया-गोपीनाथ मुंडे कृषक दुर्घटना सुरक्षा अनुदान योजना के तहत आवेदन करते समय तहसील के कुछ गैर-सरकारी व्यक्ति किसानों से पैसे की मांग करते हैं और गारंटी देते हैं कि आवेदन स्वीकृत हो जाएगा. आवेदन की प्रक्रिया व आवेदन के अनुमोदन के दौरान कोई भी गैर-सरकारी व्यक्ति शामिल नहीं है. जिससे तहसील कृषि अधिकारी गोंदिया पवन मेश्राम ने अपील की है कि किसान आवेदन स्वीकृत करने और कृषि विभाग का मार्गदर्शन लेने के किसी भी लालच में आए बिना योजना के तहत अपना आवेदन जमा करें. यदि किसान खेत में काम कर रहा हो तो कोई दुर्घटना घटित हो जाए, उदा. गोपीनाथ मुंडे शेतकारी दुर्घटना सुरक्षा अनुदान योजना के तहत जहर, बिजली का झटका, बिजली गिरने से मौत, सांप के काटने, हत्या, ऊंचाई से गिरने से मौत, नक्सलियों द्वारा हत्या, जानवरों के हमले या

काटने से आकस्मिक मौत आदि शामिल हैं. गोपीनाथ मुंडे कृषक दुर्घटना सुरक्षा सहायता अनुदान योजना वर्ष 2023-24 से प्रारंभ की गई है. दुर्घटना पीड़ित किसान या किसान के उत्तराधिकारी को 30 दिनों के भीतर अनुदान प्रस्ताव तहसील कृषि अधिकारी को प्रस्तुत करना होगा. प्रस्ताव तैयार करते समय आने वाली कठिनाइयों के संबंध में संबंधित तहसील कृषि अधिकारी कार्यालय या कृषि विभाग के फील्ड स्टाफ या जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी कार्यालय की मदद ली जा सकती है. दुर्घटना प्रभावित किसानों की प्रारंभिक जानकारी प्राप्त करने के बाद, संबंधित राजस्व अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, तहसील कृषि अधिकारियों की सतर्कता टीम व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलने जाती है और आठ दिनों के भीतर तहसीलदार को रिपोर्ट सौंपती है.

नागपुर में फ्लाईओवर से गिरकर युवक की मौत

गोंदिया-साले कसा तहसील के सलंगटोला/साखरीटोला निवासी योगेश्वर भागवत चुटे (27) नागपुर में भारत फाइनेंस कंपनी में कार्यरत था. शनिवार को योगेश्वर मोटरसाइकिल क्र. एमएच 40 ईई 5069 से अपने कार्यालय जा रहा था. इसी बीच नागपुर के पारडी फ्लाईओवर पर मोड़ पर उसकी मोटरसाइकिल फिसल गई व योगेश्वर 40 फीट नीचे गिर गया. जिससे उसकी मौत हो गई. हेलमेट न लगाए होने के कारण नीचे गिरते ही सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. खून से लथपथ पड़े युवक को क्षेत्र के नागरिकों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया. लेकिन, डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. वह पिछले 10 महीनों से भारत फाइनेंस, नागपुर में कार्यरत था. जब में ड्राइविंग लाइसेंस होने के कारण उसके माता-पिता और रिश्तेदारों को जल्द ही घटना की जानकारी हो गई. मृतक योगेश्वर के पिता भागवत चुटे (60) एक किसान परिवार से हैं और उनके केवल दो बच्चे थे.



उपजिला अस्पताल तिरोड़ा में बच्चों के लिए 2-डी इको शिविर

गोंदिया-राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय जन्म दोष जनजागरण माह के तहत 16 और 17 जुलाई को केटीएस जिला सामान्य अस्पताल स्थित में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य व डीईआईसी के सहयोग से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम द्वारा संदिग्ध हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की 2डी इको जांच उपजिला अस्पताल तिरोड़ा में की गई. अस्पताल शिविर में आचार्य विनोबा भावे हॉस्पिटल वर्धा के डा. शांतनु गोमासे व समन्वयक प्रतीक गडकरी की टीम द्वारा कुल 88 बच्चों की जांच की गयी. जिनमें से 35 लाभार्थी सर्जरी के लिए योग्य हैं, 17



लाभार्थी अनुवर्ती हैं. साथ ही 6 लाभार्थियों को दवा व परामर्श दिया गया. साथ ही 30 लाभार्थियों के सामान्य निकलने पर उनका मार्गदर्शन किया गया. शिविर का उद्घाटन जिला सर्जन डा. अमरीश मोहबे ने किया. शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अतिरिक्त जिला सर्जन डा. तुषि कटरे, निवासी मेडिकल ऑफिसर डा. भारती जयसवाल, चिकित्सा अधीक्षक डा. संजय भगत, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम गोंदिया और डीईआईसी के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. सफलतार्थ राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के संजय बिसेन और डा. पाटिल ने प्रयास किया.

संपादकिय...

हारे तो हम

चुनावी जीत के मायनों में सराबोर राजनीति के लिए बढ़ता स्थान दरअसल जनता में संकीर्णता पैदा कर रहा है। सत्ता की बढ़ती मर्जी में जनता की ख्वाहिशों का चित्रण, पुनः राज्य की हकीकत में झांक रहा है, तो फैसलों के पक्ष में तर्क बदलेंगे और कसौटियां भी नए मानदंडों में कसी जाएंगी। कुछ इसी तरह का फैसला 125 यूनिट बिजली की सीमा तक मुफ्तखोरी पर जब उकसा रहा था, हम तब भी हार रहे थे क्योंकि ऐसी कोई मांग जनता ने तो नहीं की थी। अगर तब गारंटियों के युद्ध में मुफ्त बिजली की सीमा तीन सौ यूनिट करने की प्रतिस्पर्धा हो रही थी, तो राज्य के आर्थिक संसाधन हिमाचल के पूरे नागरिक समाज को उलाहना दे रहे थे। हर चुनाव का भुगतान होता है और हिमाचल की चुनावी उदारता ने समाज की मानसिकता को हमेशा हरा दिया। हम चुनावी घोषणाओं के मनमोहन से हारते हैं। इन उपचुनावों में भी मनमोहन की प्रक्रिया में दो सीटों में कांग्रेस की मुद्रा जनता को जीत गई, लेकिन हमीरपुर का ताज सत्ता नहीं पहन पाई। ऐसे में जनता की जय विजय को परखना मुश्किल है। अपने जिला के मुख्यमंत्री को हमीरपुर की जनता ने क्या संदेश दिया है, इसके ऊपर सामाजिक चर्चा इसलिए जरूरी है, क्योंकि राजनीतिक अर्थों में इस बार उपचुनाव थे ही सत्ता के पक्षधर। हमीरपुर से ज्यादा दूर नहीं है देहरा, तो वहां की जनता सत्ता के नजदीक हो गई यानी इस बार सरकार अगर कांगड़ा में नजर आई तो देहरा के मैदान पर सजने वाले मंच तुरा पहन कर संबोधन करेंगे। वैसे हर जीता हुआ सत्तापक्ष का विधायक अपने-अपने हलके को मॉडल की संज्ञा में कृपा दान देना चाहता है, लेकिन इस बार सत्ता में उनका आटा गीला ही रहा। सत्ता का आटा बागी विधायकों के पानी ने गीला कर दिया और बाकी जो बचा उसे उपचुनावों ने पानी-पानी कर दिया। उपचुनावों से पहले तमाम बागी विधायक कम से कम कांग्रेस की सत्ता में तो थे। तब जनता के भ्रम, आश्वासन व सपने की कांग्रेसी थे, लेकिन भाजपा के सपनों का दृढ़ इनमें से छह को ‘पूर्व’ कर गया, लेकिन जो तीन लौट आए वहां अब असली परख होगी। देखते हैं अब हमीरपुर, धर्मशाला और बड़सर में कांग्रेस से छीना गया हाथ अब ताली कैसे बजाता है। ऐसे में लोकतंत्र में क्या देहरा की जीत वास्तविक होगी और हमीरपुर में नागरिक स्वाभिमान पस्त हो जाएगा। बहरहाल पिछले कुछ महीनों की सियासी उथल पुथल ने सरकार के मंथन को चुनावी बना दिया और फैसलों की अहमियत भी काम चलाऊ ही रही। अलबत्ता अब हकीकत से भरे फैसले आएंगे और जिसकी शुरुआत बिजली के 125 यूनिट कर रहे हैं। इससे अगर 15 सौ करोड़ बचेंगे तो यह धन बड़े काम का है, लेकिन समाज का दोहन अब चुनावी शर्तें करती हैं। सामान्य समाज के बनिस्पत हिमाचल में कर्मचारी वर्ग हमेशा से विशेषाधिकार प्राप्त रहा है। सरकारें अपने वित्तीय संतुलन, बजटीय मर्यादा और राज्य की औकात से कहीं अधिक जब कर्मचारी वर्ग की खुशामद में लगाती हैं, तो कहीं प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा-समुदाय हार रहा होता है।

दुष्कर्म कर यूट्यूब पर वीडियो वायरल

गोंदिया के युवक पर मामला दर्ज

इंस्टा पर दोस्ती के बाद हो गया प्यार

गोंदिया-सोशल मीडिया का दुरुपयोग आसानी से होने लगा है. फेसबुक, स्नेपचैट, इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करते-करते कब आपको किसी से प्यार हो जाए पता ही नहीं चलता. गोंदिया की 17 साल की लड़की से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई और बातचीत प्यार में बदल गई. इस प्रेम प्रसंग के जरिए लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और उसका वीडियो यूट्यूब पर वायरल कर दिया गया. इस संबंध में गोंदिया में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. 17 वर्षीय पीड़ित लड़की बचपन से गोंदिया में अपनी दादी के साथ रहती थी. महिनाभर पहले वह नागपुर चली गई. जब वह गोंदिया में तब उसकी आईडी पर सुंदरनगर निवासी आरोपी दैनिक शेलके (22) ने इंस्टाग्राम आईडी पर फ्रेंड रिक्लेस्ट भेजी. उसने उसकी फ्रेंड रिक्लेस्ट स्वीकार कर ली. इंस्टाग्राम पर दोनों अच्छे दोस्त बन गए. धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई. इसके चलते उनके बीच शारीरिक संबंध की शुरुआत हुई. उसने कई बार लड़की का शारीरिक शोषण किया. दैनिक शेलके ने उन दोनों का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर यूट्यूब पर प्रसारित कर उसे बदनाम किया. इस घटना के संबंध में शहर पुलिस ने भादवि



की धारा 376 (2) (एन) 323, 504, 506 उपधारा 4, 6, 8, 12 के तहत मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विजय गराड कर रहे हैं.

पैसों को लेकर हुआ विवाद

5 जुलाई 2024 को दैनिक शेलके ने उसे कुड़वा इलाके में डोमिनोज के सामने एक घर में बुलाया. पैसों को लेकर दोनों में बहस हो गई. लड़की को पैसे लग रहे थे. लेकिन उसने उसे पैसे नहीं दिए और उनके बीच बहस हो गई. परिणामस्वरूप, उसने उसके साथ गालीगलौज कर मारपीट की. विवाद से गुस्साए दैनिक शेलके ने आपत्तिजनक वीडियो यूट्यूब पर वायरल कर दिया. परिणामस्वरूप मामला थाने तक पहुंच गया.

मांग-मातांग समुदाय के छात्रों को मिला छात्रवृत्ति का लाभ

गोंदिया-साहित्य रत्न डेमोक्रेट अन्नाभाऊ साठे विकास निगम लिमिटेड जिला कार्यालय गोंदिया ने छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति, मांग/मातांग और समाज की बारह उपजातियों के छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ देने का निर्णय लिया है. जो छात्र शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में कक्षा 10वीं, 12वीं, डिग्री, डिप्लोमा परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत या अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं, उन्हें साहित्य रत्न लोकतांत्रिक अन्नाभाऊ साठे विकास महामंडल लिमिटेड, डा. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक न्याय भवन, जिलाधीश कार्यालय के पीछे आवेदन करना होगा.



शैक्षणिक दस्तावेजों जैसे- जाति प्रमाण पत्र, मार्कशीट, स्कूल प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, दो फोटो के साथ 25 जुलाई 2024 तक जमा करें. ऐसी अपील साहित्य रत्न लोकतांत्रिक अन्नाभाऊ साठे विकास निगम के जिला प्रबंधक चक्रवर्ती उके ने की है.

गुरु पूर्णिमा की कहानी - आदियोगी शिव से लेकर आज तक का सफर कैसे मनाना शुरू किया था हमने गुरु पूर्णिमा का उत्सव?

सद्गुरु हमें बता रहे हैं कि ये दिन सभी धर्मों के आने से पहले से एक उत्सव की तरह मनाया जाता रहा है, और इसी दिन ईसान को मुक्ति की संभावना के बारे में बताया गया था। सद्गुरु हम दक्षिणायन की अवधि में प्रवेश कर चुके हैं। इस समय धरती के आकाश में सूर्य उत्तर की जगह दक्षिण की ओर बढ़ने लगता है, जिससे मानव शरीर के भीतर कुछ ऐसे बदलाव आते हैं कि ये समय साधना करने के लिए, और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए ज्यादा अनुकूल होता है। ये वो समय है जब किसान भूमि को जोतना शुरू करता है, और योगी पृथ्वी के इस टुकड़े – शरीर – को गूंधना शुरू कर देता है जिसे उठाने का विशेषाधिकार उसे मिला है। और यही वो समय है, जब हजारों साल पहले, आदियोगी की शानदार आंखें मानव जीव पर पड़ी थीं।

प्रथम गुरु पूर्णिमा की कहानी

योग संस्कृति में, शिव को भगवान के रूप में नहीं देखा जाता, उन्हें पहले योगी, आदियोगी, के रूप में देखा जाता है। 15000 साल पहले, एक योगी हिमालय के ऊपरी क्षेत्रों में दिखाई दिए थे। कोई भी नहीं जानता था कि वो कहीं से आए थे, और उनका पिछला जीवन कैसा था। उन्होंने अपना परिचय नहीं दिया था – इसलिए लोगों को उनका नाम भी नहीं पता था। इसलिए उन्हें आदियोगी या पहले योगी कहा जाता है। वे बस आए और बैठ गए और कुछ भी नहीं किया। जीवन का एकमात्र संकेत उनकी आँखों से बहर रहे परमानंद के आँसू थे। उसके अलावा, ऐसा भी नहीं लग रहा था कि वे सांस ले रहे हों। लोगों ने देखा कि वे ऐसा कुछ ऐसा अनुभव कर रहे थे, जिसे वे समझने में असमर्थ थे। लोग आए, इंतजार किया और चले गए क्योंकि वो योगी अन्य लोगों की मौजूदगी से अनजान थे। कोई भी नहीं जानता था कि वो कहीं से आए थे, और उनका पिछला जीवन कैसा था। उन्होंने अपना परिचय नहीं दिया था – इसलिए लोगों को उनका नाम भी नहीं पता था। इसलिए उन्हें आदियोगी या पहले योगी कहा जाता है।

केवल सात लोग वहीं रुके रहे। ये सातों उन योगी से सीखने का निश्चय कर चुके थे। आदियोगी ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अनुरोध किया,जो आप जानते हैं, वो हम



भी जानना चाहते हैं। उन्होंने उन्हें खारिज कर दिया, तुम लोग मूर्ख हो, जिस तरह से तुम हो, वैसे तो तुम दस लाख वर्षों में नहीं जान पाओगे। तुम्हें तैयारी करने की जरूरत है। इसके लिए जबरदस्त तैयारी की आवश्यकता है। यह मनोरंजन नहीं है। लेकिन वे सीखने के लिए बहुत आग्रह(जोर दे कर कहना) कर रहे थे, इसलिए आदियोगी ने उन्हें कुछ प्रारंभिक साधना दी। फिर उन सातों ने तैयारी शुरू कर दी – दिन सप्ताह में बदले, सप्ताह महीनों में, और महीने वर्षों में – वे तयारी करते रहे। आदियोगी बस उन्हें नजरअंदाज करते रहे। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने 84 साल तक साधना की थी। फिर, एक पूर्णिमा के दिन, 84 वर्षों के बाद, उस दिन जब सूर्य उत्तर से दक्षिण की ओर जा रहा था – जिसे इस परंपरा में दक्षिणायन के रूप में जाना जाता है – आदियोगी ने इन सात लोगों को देखा। वे ज्ञान के चमकदार पात्र बन गए थे। वे प्राप्त करने के लिए बिल्कुल परिपक्व(तैयार) थे। वे अब उन्हें अनदेखा नहीं कर सके। आदियोगी उन्हें बारीकी से देखते रहे और अगली पूर्णिमा के दिन, उन्होंने एक गुरु बनने का फैसला किया। वो पूर्णिमा का दिन, गुरु पूर्णिमा के रूप में जाना जाता है। गुरु पूर्णिमा, वो पूर्णिमा है जब पहले योगी ने खुद को आदिगुरु या पहले गुरु में बदल दिया। वह दक्षिण की ओर मुड़ गए – यही कारण है कि वे दक्षिणामुर्ती के रूप में भी जाने जाते हैं – और सात शिष्यों को योग विज्ञान देना शुरू किया। इस प्रकार, दक्षिणायन की पहली पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा कहलाती है। इस दिन पहले गुरु प्रकट हुए थे।

गुरु पूर्णिमा: पार करने की संभावना

गुरु पूर्णिमा मानवता के जीवन के सबसे महान क्षणों में से एक है। यह ऊपर उठने और मुक्ति पाने के बारे में है, जो कि एक ऐसी संभावना है जिसके बारे में मनुष्य कभी नहीं जानते थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका वंश क्या है, आपके पिता कौन थे, या आप किन

सीमाओं के साथ पैदा हुए थे या आपने खुद पर लगा दी हैं, यदि आप प्रयास करने के इच्छुक हैं, तो आप उन सभी चीजों से ऊपर उठ सकते हैं। मानव इतिहास में पहली बार उन्होंने घोषणा की थी, कि मनुष्य के लिए चेतन होकर विकास करना

संभव है।

पश्चिमी जगत के वे समाज जो विकासवाद को मानते हैं, आज आध्यात्मिक प्रक्रिया के लिए खुलापन रखते हैं। जो लोग मानते हैं कि भगवान ने हमें ऐसा ही बनाया है और इसके अलावा और कुछ भी नहीं मानते – वे ऐसी किसी भी संभावना के लिए खुले नहीं हैं। पश्चिमी जगत के वे समाज जो विकासवाद को मानते हैं, आज आध्यात्मिक प्रक्रिया के लिए खुलापन रखते हैं। जो लोग मानते हैं कि भगवान ने हमें ऐसा ही बनाया है और इसके अलावा और कुछ भी नहीं मानते – वे ऐसी किसी भी संभावना के लिए खुले नहीं हैं। डार्विन ने दो सौ साल पहले जैविक विकास की बात की थी। आदियोगी ने पंद्रह हजार साल पहले आध्यात्मिक विकास की बात की थी। उनकी शिक्षा का सार यह है कि इस अस्तित्व में प्रत्येक परमाणु, यहाँ तक कि सूर्य और धरती की अपनी चेतना है; लेकिन उनके पास समझदार मन नहीं है। जब चेतना के साथ एक समझदार मन भी जुड़ जाता है, तो ये सबसे शक्तिशाली संभावना होती है। यही चीज मानव जीवन को इतना असाधारण बनाती है।

गुरु पूर्णिमा की कहानी में मानसून की भूमिका

आदियोगी ने जब योग विज्ञान को सातों ऋषियों तक पहुंचा दिया, तब वे दुनिया भर में योग विज्ञान को फैलाने के लिए तैयार हुए। उनमें से एक, अगस्त्य मुनी, दक्षिण में भारतीय उपमहाद्वीप की ओर बढ़ गए। अगस्त्य मुनी ने एक ऐसा जीवन जीया, जिसे लगभग अतिमानवी(सुपरह्यूमन) माना जा सकता है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हिमालय के

दक्षिण में जहां भी लोग रह रहे हैं, वहां एक आध्यात्मिक प्रक्रिया हो। कई मायनों में, आज हम जो कुछ भी करते हैं, जिसे हम ईशा योग कहते हैं, वो अगस्त्य के काम का एक छोटा सा विस्तार है।

दक्षिण आने और फिर से उत्तर तक यात्रा करने की यह परंपरा अगस्त्य के समय से एक वार्षिक चक्र के रूप में चली आ रही है। आज, संख्याएं घट गई हैं, लेकिन एक समय था जब योगी सैकड़ों और हजारों की संख्या में यात्रा करते थे। अगस्त्य मुनि के दक्षिण की ओर जाने की वजह से, योगियों और आध्यात्मिक साधकों के मौसमों के बदलने के साथ-साथ, हिमालयी क्षेत्र से दक्षिण की ओर जाकर वापस आने की परम्परा शुरू हुई। यह निरंतर चक्र हजारों सालों से चला आ रहा है। गर्मियों के दौरान, वे हिमालयी गुफाओं में होते हैं, और सर्दियों में वे दक्षिण आ जाते हैं। उनमें से कई रामेश्वरम तक यात्रा करते हैं, जो कि महाद्वीप की दक्षिणी नोक है, और फिर से हजारों किलोमीटर चलकर उत्तर जाते हैं। दक्षिण आने और फिर से उत्तर तक यात्रा करने की यह परंपरा अगस्त्य के समय से एक वार्षिक चक्र के रूप में चली आ रही है। आज, संख्याएं घट गई हैं, लेकिन एक समय था जब योगी सैकड़ों और हजारों की संख्या में यात्रा करते थे। उन दिनों, बड़ी संख्याओं में यात्राएं होने की वजह से, मानसून का यह महीना एक चुनौती था। हमें अब इसका अधिक अनुभव नहीं होता, लेकिन मानसून परंपरागत रूप से एक बहुत ही प्रचंड प्रक्रिया रही है। मानसून शब्द अपने आप में एक निश्चित गति और प्रचंडता का अहसास दिलाता है। जब प्रकृति इतनी प्रचंड हो जाती थी, तब पैर से यात्रा करना मुश्किल हो जाता था। आम तौर पर यह निर्णय लिया जाता था, कि इस महीने के लिए, हर कोई जहां भी संभव हो सके, आश्रय ले लेगा। काफी समय बाद, गौतम बुद्ध ने भी इस महीने के लिए अपने भिक्षुओं के लिए आराम निर्धारित किया – बस उन्हें मौसम की स्थिति से आराम दिलाने के लिए, क्योंकि लोगों के लिए यात्रा करना बहुत कठिन हो जाता था। उन्हें एक ही जगह रहना होता था, इसलिए ये तय किया गया कि ये महीना गुरु की निरंतर याद में बिताया जाए।

कूड़ा-कचरा नष्ट कर गांवों को आदर्श बनाएं-जिप सीईओ मुरुगानंधम

गोंदिया-बढ़ते शहरीकरण ने कचरे की समस्या को भी बढ़ा दिया है. गांव साफ-सुथरे और सुंदर हों, गांव का वातावरण पर्यावरण के अनुकूल हो, गांव का कचरा नष्ट हो और गांव कचरा मुक्त बनाकर आदर्श



बांस लगाने और इस पर ध्यान देने का भी निर्देश दिया. जिले में सीवेज व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर सरकार ध्यान दे रही है, 15वें वित्त आयोग के तहत योजना बनाकर खर्च बढ़ाने पर जोर दिया गया. वहीं व्यक्तिगत व सार्वजनिक शौचालयों का कार्य भी एक सितंबर तक पूरा कर लिया जाए. सीवेज व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य के लिए तकनीकी स्वीकृति 22 तारीख तक प्रदान की जाए. क्योंकि वास्तव में 633 गांवों को मॉडल बनाया जाना है, इसलिए जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालक प्रमिला जाखलेकर, जल व स्वच्छता विभाग के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी आनंदराव पिंगले उपस्थित थे. इस अवसर पर गांवों को शौच मुक्त बनाने के निर्देश देकर समीक्षा करते हुए अंधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाए तथा सितंबर माह के अंत तक सभी ग्रामों को मॉडल बनाकर सभी कार्यों को साप्ताहिक समीक्षा लेने के लिए मुरुगानंधम ने कहा. इस दौरान उन्होंने गांव में दो हेक्टेयर जमीन पर

पुलिस पाटिलों को मिलेगा बढ़ा मानधन

1 करोड़ 37 लाख रु. की निधि प्राप्त : खाते में राशि जमा

गोंदिया- साढ़े छह हजार रु. से बढ़ाकर 15 हजार रु. कर दिया था. लेकिन पुलिस पाटिलों को बढ़ा हुआ मानधन और पुराने मार्च तक का वेतन नहीं मिला. जिससे पुलिस थानों में नाराजगी का माहौल था. लेकिन अब सरकार ने 1 करोड़ 37 लाख रु. की निधि मुहैया कराई है. शुक्रवार से मानधन की राशि संबंधित पुलिस पाटिल के खाते में जमा की जाने लगी है. पुलिस पाटिल गांव की प्रशासनिक व्यवस्था और पुलिस व्यवस्था के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करते है. पुलिस पाटिल ग्रामीण स्तर पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी लेते हुए राजस्व और पुलिस व्यवस्था का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. लेकिन पुलिस पाटिलों को पहले 6500 रु. ही भुगतान किया जाता था. लेकिन यह सम्मान राशि को पुलिस पाटिलों के खातों में जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और सभी पुलिस पाटिलों के खातों में यह राशि जमा कर दी जाएगी. मानधन कम था. जिससे पुलिस पाटिलों ने सरकार से इसमें



बढ़ोतरी की मांग की थी. इस पर ध्यान देते हुए सरकार ने तीन महीने पहले पुलिस पाटिलों का मानधन 6,500 रु. से बढ़ाकर 15,000 रु. करने की घोषणा की थी. इस संबंध में एक जीआर भी जारी किया गया. लेकिन पिछले तीन माह से मानधन के लिए निधि उपलब्ध नहीं कराई गई. इसके चलते पुलिस पाटिलों का मानधन रोक दिया गया. फिर गुरुवार को सरकार ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय को 1 करोड़ 37 लाख रु. की निधि उपलब्ध करा दी है. जिससे पुलिस पाटिलों को अब बकाया के साथ बढ़ा हुआ मानधन भी मिलने लगा है.

योजना बनाने पर दिया जोर

15वें वित्त आयोग के संबंध में उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी आनंदराव पिंगले ने पूरी जानकारी देकर योजना बनाने पर जोर दिया. बैठक में गोरेगांव के गुट विकास अधिकारी शुभम जाधव, तिरोड़ा के गुट विकास अधिकारी सतीश लिलहारे, आमगांव गुट विकास अधिकारी ए.के. गिरेपुजे, देवरी गुट विकास अधिकारी जी. टी. सिंगनजुडे, अर्जुनी मोरगांव गुट विकास अधिकारी एस.आई. वैद्य, सालेकसा के गुट विकास अधिकारी संजय पुरी, सड़क अर्जुनी के गुट विकास अधिकारी रविकांत सानप, नरेंगा के गुट विकास अधिकारी डी. एस. लोहबरे सभी तहसील विस्तार अधिकारी और जिला जल व स्वच्छता मिशन सेल सलाहकार उपस्थित थे.

जमीन धंसने से लोगों पर मंडरा रहा खतरा

टेमनी नाला की पुलिया बनती जा रही जानलेवा

गोंदिया- शहर के कटंगीकला से टेमनी जाने वाले मार्ग पर नाले पर बना पुल अब नागरिकों को मौत के लिए आमंत्रित कर रहा है. इस पुल पर जमीन धंसने से पुल में खतरा निर्माण हो गया है. कभी भी अप्रिय घटना इस पुल पर घटित हो सकती है. इस टेमनी पुलिया की खबर मिलते ही, शिवसेना



जिला प्रमुख मुकेश शिवहरे के निर्देश पर शिवसेना विधानसभा संगठक राजेश आंबेडारे, शिवसेनिकों के साथ वहां जा पहुंचे और क्षतिग्रस्त पुल के भाग का निरीक्षण किया. पुल का एक साइड का भाग जमीन में धंसने से गड्ढे के रूप में तब्दील हो गया है. कभी भी बड़ी हानि हो सकती है. इस पुल से रोजाना सैकड़ों ग्रामीण गोंदिया आवागमन करते हैं. रात बे रात इस पुल पर गड्ढा होने से अप्रिय घटना घट सकती है. शिवसेना जिला प्रमुख मुकेश शिवहरे ने जिला प्रशासन को नागरिकों की जान माल की सुरक्षा की दृष्टि से पुल पर बने जानलेवा गड्ढे पर ध्यान केंद्रित कर पुल की स्थिति देखने व क्षतिग्रस्त भाग को सुधार करने के लिए चेताया. अगर इस पुल पर कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो इसके बाद प्रशासन स्वयं जिम्मेदार होगा.

संघटन के विस्तार के लिए हर बूथ तक जाकर किए गए विकासकार्य के बारे में जनता को बताएं : विधायक विनोद अग्रवाल

जनता की पार्टी (चाबी संघटन) की अनुसूचित जाती आघाडी की बैठक संपन्न

गोंदिया-महाराष्ट्र में आनेवाले 3 महीने के भीतर में विधानसभा के चुनाव होनेवाले हैं.जिसको लेकर बूथ मजबूती को लेकर जनता की पार्टी की तैयारियां शुरू हो चुकी है. जनता की पार्टी (चाबी संघटन) की दि.15/07/2024 को रेस्ट हास में अनुसूचित जाती आघाडी की बैठक संपन्न हुई.पिछले विधानसभा चुनाव में विधायक विनोद अग्रवाल ने मे निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर 28 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की थी. उन्होंने जीत का सारा श्रेय संघटन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता साथ ही जनता को दिया था. विधायक विनोद अग्रवाल के संघटन में मजबूती होने के कारण वह विधानसभा के चुनाव में जीत पाए और यही नही की उन्होंने ग्राम पंचायत में सर्वाधिक सरपंच, जिला परिषद के 4 सदस्य पंचायत समिती के 10 सदस्य के साथ पंचायत समिती में सरकार और कृषि उत्पन्न बाजार समिती में सत्ता हासिल करने में कामयाब रहे.कुछ ही दिनों बाद विधानसभा के चुनाव होनेवाले हैं जिसके लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने जनता की पार्टी (चाबी संघटन) की अनुसूचित जाती आघाडी की बैठक ली और सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ को निर्देश दिए की वह संघटन के विस्तार के लिए हर बूथ तक जाकर किए गए विकासकार्य के बारे में जनता को बताएं और सरकार की हितकारी योजनाओ को लाभ जनता को दिलवाए. साथ ही संघटन के विस्तार को लेकर और कार्यकारिणी को लेकर संघटन के कार्य पर लगे ऐसी सुचना भी विधायक विनोद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओ को दी.

उपस्थित सभी कार्यकर्ताओ ने आगामी चुनाव में पूरी निष्ठा और इमानदारी के साथ



पक्ष के लिए कार्य और जनता तक विधायक विनोद अग्रवाल के किए गए विकासकार्य साथ ही सामाजिक दृष्टी के तौर पर समाज के लिए किए गए कार्यों को जनता तक पहुँचाने का और शासन की योजनाओ को लाभ दिलाने का सभी ने संकल्प लिया. साथ ही फिर एक बार गोंदिया विधानसभा में विधायक विनोद अग्रवाल को विधायक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं ने जोश भरा और पार्टी के कार्य को शुरुवात करने का कार्यकर्ताओ ने संकल्प लिया.

इस अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल, जनता की पार्टी के अध्यक्ष भाउराव उके, पंचायत समिती सभापती मुनेश रहांगडाले, चेतन बहेकार संचालक कृ.उबास गोंदिया,माजी सरपंच पिंडकेपार सुधीर चंद्रिकापुरे, संचालक सेंट्रल कृषक होमनदास पटले, तालुकाध्यक्ष अनुसूचित आघाडी फिरोज बंसोड, माजी उपसरपंच झिलमिली सूर्यमणि रामटेके, सनम कोल्हाटकर, प्रितम मेश्राम, रंजित बारलिंगे, चित्रसेन (आरजू) डोंगरे, उपसरपंच चारगांव संतोष शेंडे, गुलशन डहाट, अरविंद डहाट, राहुल बोरकर, सचिन गजभिए, अशोक मेश्राम (गुरुजी), मिलिंद रामटेके, विनोद चौहान, प्रकाश मेश्राम, आनंद वासनिक, जयन मेश्राम, बबलू डोंगरे, मोंदू नागदिवे, राजेश खोब्रागढ़े, सचिन मेश्राम, इत्यादि कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी उपस्थित थे.

अंततः 16 शिक्षकों की मान्यता रद्द

» शिक्षा सहसंचालक ने दिए आदेश, हुई थी अनियमित शिक्षक भर्ती

गोंदिया-जिला परिषद के माध्यमिक शिक्षा विभाग में तत्कालीन प्रभारी शिक्षाधिकारी सुनील मांडरे ने कोरोना काल के दौरान वर्ष 2017 से 2020 तक जिले में अनियमित शिक्षकों को मंजूरी दी. क्योंकि वे स्वीकृतियां अनियमित व अवैध हैं, इसलिए 1 जुलाई 2024 को शिक्षा सहसंचालक (पुणे) ने शिक्षा उप संचालक (नागपुर) के आदेश को बरकरार रखा और सभी 16 शिक्षकों की मान्यता रद्द कर दी. गोंदिया जिले में इन 16 शिक्षकों की नियुक्तियां अनियमित और अवैध होने के कारण शिक्षा उप संचालक (नागपुर संभाग) ने रद्द कर दी थीं. जिससे दुखी होकर हाल ही में रद्द किए गए कर्मचारियों ने उच्च न्यायालय (नागपुर खंडपीठ) में याचिका दायर की. शिक्षा उपसंचालक द्वारा संबंधित कर्मचारियों को विस्तृत कारण बताओ नोटिस नहीं देने के कारण मान्यता



रद्द करने के शिक्षा उपसंचालक के आदेश को रद्द कर शिक्षा सहसंचालक (पुणे) को एक माह के भीतर सुनवाई करे, यह भी आदेश दिया कि यदि एक माह के अंदर सुनवाई न हो तो संबंधित कर्मचारियों का वेतन नियमित रूप से प्रारंभ कर दिया जाए. लेकिन शिक्षा सहसंचालक द्वारा दी गई समय सीमा के अंदर सुनवाई नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों का वेतन भुगतान करने का आदेश दिया गया. लेकिन हाल ही में 1 जुलाई 2024 को शिक्षा सहसंचालक ने शिक्षा उपसंचालक के आदेश को बरकरार रखते हुए सभी 16 शिक्षकों की मान्यता रद्द कर दी.

मान्यता रद्द किए गए कर्मचारियों का समावेश

मान्यता रद्द किए गए कर्मचारियों में विनोद हेमराज

जगने, जी.एम. हरिनखेड़े (सेजगांव हाईस्कूल, सेजगांव, तिरोड़ा), एम.पी. समरीत, एस.पी. डोंगरे (गणेश हाईस्कूल, गुमाधवाडा, तिरोड़ा), निशा विजयसिंग नागपुरे, (एसएसपीडी हाईस्कूल, म्हसगांव, गोरेगांव), दीपिका गुलाब दमाहे (स्वामी विवेकानंद हाईस्कूल, सोनपुरी, सालेकसा), कमलेश शालिकराम ठाकुर, संजय ज्ञानीराम बिरनवार, (हरिदास भवरजार स्कूल, गणखैरा, गोरेगांव), महेश शिवसागर बडोले, ममता जगतलाल अंबुले (फुलीचंद भगत हाईस्कूल, कोसमतोंडी, सडक अर्जुनी), अनिता प्रेमलाल मेंडे, हिमाशी युगल मोहन (परशुराम विद्यालय, मोहगांव, गोरेगांव), शालू धनराज कोटंगले, प्रियंका मुखरू शामकुले (अमृताबेन पटेल हाईस्कूल, रिसामा, आमगांव), स्मिता प्रमोद कटरे (डा. आंबेडकर माध्यमिक विद्यालय, सरकारटोला, आमगांव) शामिल हैं.

महाराष्ट्र कोतवाल संघटना ने पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल को सौपा ज्ञापन

गोंदिया-महाराष्ट्र कोतवाल संघटना शाखा गोंदिया जिला के प्रतिनिधी मंडल ने पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के गोंदिया स्थित जनसंपर्क कार्यालय में भेंट कर, राज्य में कार्यरत कोतवालों को चतुर्थ श्रेणी शासकीय सेवा में सम्मिलित करने सहित शासन से अन्य मांगों के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा। इस संदर्भ में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रतिनिधी विशाल अग्रवाल ने कोतवाल संघटना की, सभी मांगों को योग्य बताते हुए, इस संदर्भ में राज्य शासन के स्तर पर सकारात्मक पाठपुरावा कर सकारात्मक आदेश कराने के प्रयत्न करने की बात कही इस संदर्भ में पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने राज्य के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटील को पत्र प्रेषित कर कहा कि, ब्रिटिशकालीन व्यवस्था अंतर्गत, राजस्व विभाग के गांव-गांव में कार्यरत कोतवालों पर, समय के साथ शासन की नई-नई योजना क्रियान्वयन, भुधारकों में बढ़ती जनजागृती और भुमी के बढ़ते व्यवहार के साथ-साथ अत्याधिक कार्य का बोझ बढ़ा है, साथ ही जिम्मेदारीयां भी बढ़ गई। इतने महत्वपूर्ण कार्य एवम पात्रता के बावजूद,

अब भी ये मानधन पर कार्यरत है। मैं समझता हूँ कि, राजस्व विभाग अंतर्गत राज्य के गांव-गांव में कार्यरत करीब 1 0 0 0 0 कोतवालों की नियुकी को मानधन से अंशतः बदल कर, चतुर्थ श्रेणी शासकीय सेवा में सम्मिलित कर, इनकी सेवाओं को योग्य सम्मान दिया जाना चाहिए, जिससे कोतवाल में भी नागरीकों के प्रति और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने के जज्बे का निर्माण होगा। मुंबई में इस संदर्भ में पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल राजस्व मंत्री से भेंट कर इस संदर्भ में निवेदन करनेवाले हैं, यह विशेष उल्लेखनीय है। प्रतिनिधी मंडल में सर्वश्री महाराष्ट्र कोतवाल संघटना के जिलाध्यक्ष महादेव शिवणकर, राज्य कोषाध्यक्ष घनश्याम पटले (गोरेगांव) ,



जिलाउपाध्यक्ष सरस्वता कुंभरे, सचिव पुरन नंदनवार (तिरोड़ा), सहसचिव संतोष बिसेन (सालेकसा), कोषाध्यक्ष संजय धानगाये (गोरेगांव), सदस्य विकास चांचेरे (गोरेगांव), कपिल हरडे (गोंदिया), मुकेश नांदगाये (आमगांव), आस्तिक डोंगरे (देवरी), नरेन्द् चौधरी (आमगांव), रामकृष्ण मोहजरे (सालेकसा), सिमा कुरसुगे (गोंदिया), स्वाती घरडे (गोंदिया), भुमेश्वरी रहांगडाले (तिरोड़ा), अमित लिल्हारे, सुमीत रामटेके, उमेश बनसोड, डी.यु.डोंगरे, पुरुषोत्तम रहांगडाले, राकेश बालदे, रिकु परिहार अनिष मस्करे उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री-मेरी लाइली बहन योजना

बुलंद गोंदिया। राज्य में महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका को मजबूत करने के लिए राज्य में मुख्यमंत्री-मेरी लाइली बहन योजना शुरू की गई है। मुख्यमंत्री-मेरी लाइली बहन योजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है और इस योजना का कार्यान्वयन जिला स्तर पर शुरू हो गया है। इस योजना के तहत 21 से 65 वर्ष की आयु की पात्र महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह का वित्तीय लाभ मिलेगा। विवाहित, विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता एवं निराश्रित महिलाएं पात्र होंगी। ग्रामीण इलाकों की महिलाएं नारी शक्ति दूत ऐप के जरिए भी इस योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं। इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र महिलाओं को गूगल प्ले स्टोर से नारी शक्ति दत्त ऐप डाउनलोड करना होगा। इस ऐप को ऑनगवाड़ी सेवक, पर्यवेक्षक, सेतु सुविधा केंद्र, ग्राम सेवक, ररूप रिसोर्स पर्सन, आशा सेवक, लाभार्थी महिलाएं डाउनलोड कर सकती हैं। आवेदन के साथ जमा किए जाने वाले दस्तावेज् आधार कार्ड की प्रति (दोनों तरफ), महाराष्ट्र राज्य का अधिवास प्रमाण



पत्र (यदि महिला लाभार्थी के पास अधिवास प्रमाण पत्र नहीं है, तो 15 वर्ष पुराने पहचान पत्र / प्रमाण पत्र में से कोई एक जमा किया जाना चाहिए) राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र)। यदि विदेश में जन्मी महिला की शादी महाराष्ट्र के मूल निवासी पुरुष से हुई है, तो उस स्थिति में उसके पति का जन्म प्रमाण पत्र या स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र या अधिवास प्रमाण पत्र जमा किया जाना चाहिए। आय प्रमाण (वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये तक होनी चाहिए)। हालांकि, पीले और नारंगी राशन कार्ड धारकों को आय प्रमाण पत्र से छूट मिलेगी। इसके लिए आपको राशन कार्ड के पहले और आखिरी पेज की कॉपी लेकर उसे

अपलोड करना होगा। बैंक खाते की पासबुक के प्रथम पृष्ठ की स्कैन की गई प्रति अपलोड की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री-मेरी लाइली बहन योजना% योजना की निगरानी एवं समीक्षा के लिए जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है। जबकि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला संयुक्त आयुक्त नगर प्रशासन, जिला कार्यक्रम अधिकारी, नगर परिषदों के मुख्य अधिकारी, परियोजना अधिकारी (एकीकृत बाल विकास परियोजना), जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सदस्य हैं और जिलाधिकारी सदस्य सचिव हैं। उक्त योजना 1 जुलाई 2024 से शुरू की गई है और इस योजना का लाभ उठाने के लिए पहले चरण में 31 अगस्त 2024 तक आवेदन किया जा सकता है। जिला प्रशासन द्वारा जिले की अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह योजना महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होगी।

-कैलाश गजभिये उप संपादक, जिला सूचना कार्यालय, गोंदिया

मातारानी के पालकी शोभायात्रा का स्वागत



गोंदिया-मां जगदम्बा धाम से पालकी शोभायात्रा निकली गई. मां जगदम्बा मंदिर की मूर्ति की स्थापना आज से 18 वर्ष पूर्व 2006 में हुई. तब से लेकर आज तक हर वर्ष प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के दिन माताजी की पालकी शोभायात्रा धूमधाम से ढोल, शहनाई बाजे गाजे के साथ निकाली जाती है. 16 जुलाई को भी माताजी को पालकी में बैठकर मां के पूरे भक्तों के साथ शोभायात्रा निकाली गई. इस शोभायात्रा में 108 कलश धारी महिलाओं के साथ ही संदल, बाजे के साथ मां जगदम्बा धाम से पालकी पूरे गांव का भ्रमण कर के वापस मंदिर पहुंची. जगह जगह पूजा अर्चना की गई व पालकी का स्वागत किया गया.

न्यायालय में मनाया गया जनसंख्या दिवस, की गई जनजागरूकता

गोंदिया-जिला विधि सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय, जिला वकील संघ और एस.एस. गर्ल्स कॉलेज के सहयोग से विश्व जनसंख्या दिवस, बच्चों के अधिकार, किशोर न्याय, शिक्षा का अधिकार, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और पॉस्को अधिनियम के अवसर पर जिला न्यायालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ. कार्यक्रम में जिला विधि सेवा प्राधिकरण सचिव एन. के. वालके, लोक अभिरक्षक कार्यालय प्रमुख एड. शबाना अंसारी, एस.एस. गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डा. रेखा लिल्हारे उपस्थित थी. इस दौरान एन.के. वालके ने कॉलेज के विद्यार्थियों से बढ़ती जनसंख्या के प्रभावों के बारे में बात की और पुरुषों और महिलाओं के कार्यों की तुलना की और कहा कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक शक्तिशाली हैं. उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय चर्चा कर और उनसे जीवन में उनके लक्ष्य के बारे में पूछकर उनका मनोबल भी



बढ़ाया. एड. शबाना अंसारी ने समाज में महिलाओं के शोषण व उत्पीड़न विषय पर कहा कि महिलाओं में शिक्षा की कमी ही महिलाओं के शोषण का मुख्य कारण है तथा विद्यार्थियों को पॉस्को एक्ट के बारे में जानकारी दी. प्राचार्य डा. रेखा लिल्हारे ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और पॉस्को एक्ट के उपयोग का लाभ समाज में फैलाएं. प्रस्तावना डा. नीता खांडेकर ने रखी. संचालन डा. दिशा गेडाम ने किया सफलताथं स्टाफ अधीक्षक पी.बी.अनकर, कनिष्ठ लिपिक ए.एम.गजापुरे, एस.एम.कळाने, पी.एन. गजभिये, एस.डी. गेडाम, पी.डी. जेंगटे, के. सरतिमा भगत ने प्रयास किया.

बारिश में शिवाजी नगर तालाब में तब्दील नहीं हो रही पानी की निकासी

आमगांव-फिलहाल जिले सहित अनेक ग्राम के बदहाल मार्ग से नागरिक परेशान हो गए हैं. लेकिन अब बारिश का मौसम शुरू होते ही अनेक मार्ग पर पानी जमा हो जाने से नागरिक और भी अधिक



परेशान हो रहे हैं. पानी की निकासी नहीं होने के कारण मार्ग पर पानी जमा होने से लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ऐसी ही समस्या से शिवाजीनगर के नागरिक जूझ रहे हैं. बारिश के पानी से शिवाजीनगर तालाब में तब्दील हो गया है. इस समस्या को लेकर शिवाजी नगर के नागरिकों ने लिखित शिकायत देने के बावजूद नप प्रशासन द्वारा अनदेखी की जा रही है. परिणामस्वरूप शिवाजीनगर के निवासियों को उसी स्थिति में दिन गुजारना पड़ रहा है. उल्लेखनीय है कि यहां

नगर परिषद के बनगांव वार्ड के शिवाजी नगर में पानी निकालने के लिए नालियों की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे पानी सड़कों पर जमा हो रहा है. अब उस पानी में मच्छरों और कीड़ों के पनपने से नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में है. यहां के नागरिकों ने मांग की है कि जल्द से जल्द शहर में जल निकासी का कार्य कराया जाए. बनगांव वार्ड के शिवाजी नगर में जल निकासी का कार्य शीघ्र पूरा करने की मांग डा. सुरेश गराडे, विठ्ठल बाहेकर, अशोक शेंडे, भरत खजूरिया, तनुलाल तिराले, भुजाडे ने जिलाधीश से की है.

मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना गोंदिया नगर परिषद के 12 केंद्रों पर करवाये निशुल्क पंजीयन-मुख्याधिकारी सुनील बल्लाल

बुलंद गोंदिया। मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना का लाभ सभी पात्र लाभार्थी महिलाओं को प्राप्त हो इसके लिए गोंदिया नगर परिषद द्वारा 12 सहायता केंद्रों का निर्माण किया गया जिसमें निशुल्क पंजीयन करने का आव्हान गोंदिया नगर परिषद के प्रशासक व मुख्य अधिकारी सुनील बल्लाल द्वारा किया गया है। गौरतलब है की महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य की महिलाओं का आर्थिक सक्षमीकरण तथा उनके स्वास्थ्य व पोषण में सुधार करने के लिए साथ ही परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना की शुरुआत की गई है। जिसमें 21 से 65 वर्ष की सभी पात्र लाभार्थी महिलाओं को लाभ मिलेगा उपरोक्त योजना के लिए उसका पंजीयन करवाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना का सभी पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के लिए योजना के आवेदन फॉर्म ऑनलाइन व ऑफलाइन भरने के लिए नगर परिषद के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 12 सहायता केंद्र बनाए गए हैं। उपरोक्त केंद्रों में योजना का फार्म निशुल्क उपलब्ध होगा तथा ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन पत्र भरकर अधिकारियों कर्मचारियों को देने के लिए उनकी नियुक्ति की गई है। शहर के 12 केंद्र क्रमांक-1 नगर परिषद गोंदिया मुख्य प्रवेश द्वार क्रमांक-2 नगर

परिषद मुख्य कार्यालय सभागृह,क्रमांक-3 हिंदी टाउन स्कूल परिसर एन यु एल एम सेंटर,क्रमांक-4 हिंदी टाउन स्कूल प्रवेश द्वार आधार केंद्र के समीप, क्रमांक-5 भीम नगर मैदान परिसर भीम नगर गोंदिया क्रमांक-6 मनोहर म्युनिसिपल स्कूल गोविंदपुर छोटा गोंदिया, क्रमांक-7 प्राथमिक स्कूल गोविंदपुर क्रमांक-8 गणेश नगर प्राथमिक स्कूल गणेश नगर,क्रमांक-9 मनोहर म्युनिसिपल हाई स्कूल इंदिरा गांधी स्टेडियम क्रमांक-10 रामनगर हाई स्कूल नगर परिषद गोंदिया क्रमांक-11 रेल टोली प्राथमिक स्कूल गोंदिया क्रमांक-12 गर्ल्स स्कूल गोंदिया का समावेश है। उपरोक्त केंद्र कार्यालय समय में शुरू रहेंगे जहां पर शहर की पात्र महिलाएं पहुंचकर अपना पंजीयन करवा सकती हैं।

शनिवार व रविवार को अवकाश के दिन भी शुरू रहेंगे

मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना का पंजीयन 31 अगस्त तक करवाए जा सकते हैं। जिसमें अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को लाभ मिले इसके लिए नगर परिषद द्वारा शुरू किए गए केंद्रों में शनिवार और रविवार के अवकाश के दिन भी शुरू रहेंगे तथा इस दिन भी महिलाएं जाकर अपना पंजीयन करवा सकती हैं।

सांसद डॉ प्रशांत पडोले का गोंदिया जिला दवाई विक्रेता संघ ने किया स्वागत

बुलंद गोंदिया। गोंदिया-भंडारा जिले के नवनिर्वाचित सांसद प्रशांत पडोले के गोंदिया आगमन पर गोंदिया जिला दवाई विक्रेता संघ द्वारा पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। गौरतलब है की गत दिनों संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में गोंदिया भंडारा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के डॉ प्रशांत पडोले सांसद निर्वाचित हुए थे। उनके जनसंपर्क अभियान के तहत गोंदिया जिले के दौरे पर आगमन हुआ था। इसी दौरान गोंदिया जिला दवाई विक्रेता संघ द्वारा डॉक्टर प्रशांत पडोले का पुष्पगुच्छ



वह शाल श्रीफल देकर सत्कार दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष उत्पल शर्मा द्वारा किया गया इस अवसर पर उनके साथ उपाध्यक्ष सुशील शर्मा, राम भारद्वाज, दीपक अग्रवाल, जितेश अग्रवाल, चिन्मय सोनवाने, सुमन मिश्रा, आशीष जैन, सुमित गुप्ता वह संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच



गोंदिया-बुजुर्गों की देखभाल करने वालों की कुछ समस्याओं के समाधान के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर धापेवाड़ा में राष्ट्रीय वृद्धावस्था स्वास्थ्य नर्सिंग कार्यक्रम के तहत गांव के बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन आयुष्मान आरोग्य मंदिर धापेवाड़ा में किया गया. शिविर का शुभारंभ ग्राम धापेवाड़ा के सरपंच प्रकाश कटरे ने किया. आयुर्वेदिक दवाएं सुरक्षित हैं क्योंकि वे प्राकृतिक अवयवों से बनी हैं और उनका कोई दुष्प्रभाव नहीं है. आयुर्वेद का मूल सिद्धांत उचित पेय, आहार और जीवनशैली के साथ-साथ हर्बल उपचार के माध्यम से शरीर, दिमाग और चेतना का संतुलन बनाए रखकर बीमारियों को रोकना और उनका इलाज करना है. इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डा. अमर खोब्रागड़े ने बताया कि यदि रोगियों का इलाज मालिश, ध्यान, श्वास व्यायाम, योग और पंचकर्म आदि उपचार विधियों के माध्यम से किया जाता है. शिविर में सर्वप्रथम धापेवाड़ा में हुआ आयोजन अतिथियों द्वारा माता धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की गई, साथ ही आयुष पद्धति से नस्य, जानुबस्ती, कटिबस्ती, स्वेदन, शिरोधारा स्नेहन, अग्निकर्म आदि विधि से स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त परीक्षण, रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया. शिविर के दौरान डा. खोब्रागड़े ने बताया कि 42 लोगों की आयुर्वेदिक पध्दति से जांच की गई. सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डा. गीतिका रहगंडाले, डा. विलास सिरसटे और डा. शेफाली वैद्य के साथ ही स्वास्थ्य सेविका नागपुरे और आशा सेविका ने बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की.

खेत में मिला वृद्ध का शव

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत अरततोंडी निवासी शंभु डोकु नाकाडे (81) घर की भैंस दुसरे के खेत में जाने से उसे लाने के लिए गया था. हालांकि भैंस घर पर आ गई, लेकिन शंभु घर पर नहीं आया. दूसरे दिन उसका शव अरततोंडी कोरंभी खेत परिसर में मिला. फरियादी प्रणय श्रीराम नाकाडे (27) की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरानाक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४६६८। (पीआरबी एन्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।

डॉ. परिणय फुके विधान परिषद चुनाव में निर्वाचित विदर्भ में ओबीसी का बड़ा नेतृत्व मिलने पर खुशी की लहर

बुलंद गोंदिया (गोंदिया/भंडारा)- राज्य की 11 विधानपरिषद सीटों के लिए 12 जुलाई को हुए चुनाव में विदर्भ से ओबीसी समाज के नेता एवं पूर्व राज्यमंत्री डॉ. परिणय फुके विधान परिषद सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। इस जीत पर डॉ. फुके ने सभी विधायकों एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार माना। डॉ. फुके इसके पूर्व वर्ष 2016 में भंडारा-गोंदिया विधान परिषद क्षेत्र से विधानपरिषद सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। इस सीट पर जीत दर्ज करने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने उन्हें मंत्रिमंडल में मंत्री पद से गौरान्वित कर जनसेवा करने का अवसर प्रदान किया। इतना ही नहीं, डॉ. परिणय फुके को भंडारा और गोंदिया जिले का पालकमंत्री भी बनाया गया। फुके के पालकमंत्री बनने पर, उनके प्रभावशाली अंदाज से जनता अत्यधिक प्रभावित हुई। जल्द ही वे दोनों जिलों के साथ



ही विदर्भ में ओबीसी समाज की आवाज बनकर जनप्रिय हुए। अब पुनः उनके विधायक बनने पर विदर्भ की जनता में, ओबीसी समाज में एवं पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में फिर खुशी लौट आयी है। डॉ. फुके विदर्भ में ओबीसी समाज के साथ प्रखरता से खड़े होकर संघर्ष करने वाले नेता के रूप में उभरे हैं। उनके विधानपरिषद का सदस्य बनने पर ओबीसी समाज व भंडारा-गोंदिया जिले सहित संपूर्ण विदर्भ में खुशी की लहर देखी जा रही है।

माता रमाई आंबेडकर वाचनालय भवन के निर्माण का भूमिपुजन संपन्न विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयत्नों से हुआ मंजूर

बुलंद गोंदिया। गांधी वार्ड, गोंदिया स्थित नवनिर्मित अपना बौद्ध विहार,परिसर में विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयत्नों से मंजूर 10 लाख की निधि से माता रमाई आंबेडकर वाचनालय भवन के निर्माण का भूमिपुजन कार्यक्रम संपन्न हुआ. विधायक विनोद अग्रवाल यह मानते हैं की रोड,नाली गल्ली बनाने तक विकास की परिभाषा समित ना हो समाज को विकसीत दिशा की ओर लेकर जाने के लिए अनेक चीजों की आवश्यकता होती है. जिसमे आज के जीवन में ईंसान का शिक्षित होना बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। और विधायक विनोद अग्रवाल ने विधायक पूर्व जिला परिषद के शिक्षण विभाग के सभापती रहते हुए गावची शाळा आमची शाळा यह उपक्रम चलाया था. शिक्षा का स्तर बढे इसके लिए जिले में अनेक मोहिम उनके कार्यकाल में चलाई जो इस समय संपूर्ण महाराष्ट्र में उल्लेखनीय था. विधायक बनने के बाद भी अपने सपने को और संकल्प को रुकने नहीं दिया और अपने स्थानिक निधी से अनेक जगहों पर वाचनालय का निर्माण,

स्पर्धा पुस्तक साहित्य, खेलो का आयोजन, क्रिडा स्पर्धा का आयोजन, करियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन और JEE NEET MHCET की परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे बच्चों के लिए क्रेश कोर्स कोरोना के काल में ऑनलाइन रूप से उपलब्ध करवाया था। कार्यक्रम में प्रमुखता से जनता की पार्टी शहर अध्यक्ष कशीश जैसवाल, चंद्रशेखर बुढे,छोटू रामटेककर, अमित भालेराव, हर्षपाल रंगारी, श्याम चौरं,रवी भालाधरे, वसंत गणवीर, शंकेस तिवारी की विशेष उपस्थिति में भुमीपुजन कार्यक्रम संपन्न हुआ.साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समिति के अध्यक्ष .सुनिल मेश्राम ,द्रेवेंद्र बन्सोड, जितेन्द्र मेश्राम, कैलाश बन्सोड, विक्रांत बन्सोड,दिपक मेश्राम,भिमराव चिचखेडे,देवा शेंडे, कैलाश (दहू) बन्सोड, श्रीमती बेनुबाई मेश्राम,जसोंद्राबाई मेश्राम, प्रमीलाबाई भालाधरे, रंजना रामटेके, अनिता बन्सोड, नमीता कांबले, सुनिता मेश्राम, शिल्पा

शासकीय कार्य में बाधा, दंपत्ति पर मामला दर्ज

गोंदिया-तिरोड़ा तहसील के घाटकुरोड़ा निवासी सुरेश डोंगरवार के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और उसकी पत्नी संगीता डोंगरवार के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. मंगलम बधिर विद्यालय, गोंदिया की शिक्षका आम्नपाली विशाल फुले 13 जुलाई की दोपहर तिरोड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में हथियार जब्त करने के लिए तिरोड़ा थाने के पुलिस उपनिरीक्षक चिरंजीव दलालवाड, हवलदार दीपक खांडेकर, सिपाही प्रमोद पाटिल, महिला सिपाही अभिलाषा वालदे के साथ घाटकुरोड़ा में सुरेश डोंगरवार के घर गए. जब उनकी बधिर मां मुक्ता महादेव डोंगरवार (70) से पूछा कि वह उन पर हमले में इस्तेमाल किया गया हथियार कहाँ रखती है, तो उनका बेटा सुरेश महादेव डोंगरवार (42) यह आम्नपाली फुले के पास पहुंचा. पुलिस ने उसे आम्नपाली के पास आने से रोक दिया. आम्नपाली फुले की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 132 के तहत मामला दर्ज किया है. दोपहर में आरोपी सुरेश डोंगरवार की पत्नी के खिलाफ तिरोड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया. जांच उप पुलिस निरीक्षक रोशन खांडेकर कर रहे है.

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयत्नों से हुआ मंजूर



बन्सोड, अंतिमा मेश्राम, देविना भालाधरे, पवित्रा सोनटके, रुपमारला उके, वंदना कापसे, पोर्णिमा बन्सोड, पंकी भालाधरे, अर्चना बन्सोड, विजू रामटेके, दिशा गंगभोज, आकांशा बन्सोड, रिया मेश्राम, स्वरा कांबले, सुनिता अग्रवाल, शोभना चौहान इन्होंने उपस्थित रहकर सहयोग किया, कार्यक्रम की सफलता हेतु उपस्थित लोगों का श्री.नरेश बन्सोड इन्होंने विशेष आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण 1 हजार 500 पौधों का निशुल्क वितरण एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत



बुलंद गोंदिया। मानसून में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करना वर्तमान समय की मांग है, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके इसी के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान में विभिन्न प्रजातियों के 1हजार 500 पौधों का वितरण निशुल्क वितरण किया गया। पर्यावरण संरक्षण के लिए यह कार्य भरत जसानी, चेतन जसानी , मानसी जसानी द्वारा किया गया है। उपरोक्त सभी पौधे गोंदिया जिले के सामाजिक वनीकरण विभाग से मूल्य देकर प्राप्त किया गया था तथा इस अभियान में

महत्वपूर्ण रूप से सामाजिक वनीकरण के उपवन संरक्षक तुषार धमधरे के साथ ठाकरे, गौरव, फिरोज, प्रणय द्वारा महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 500 पेड़ों का वितरण बालाघाट मार्ग पर, 500 पेड़ों का वितरण कारंजा पुलिस मुख्यालय मार्ग पर तथा 500 पौधों का वितरण तिरोडा कुडवा मार्ग पर किया गया। उल्लेखनीय की इस दौरान सभी नागरिकों द्वारा इन पौधों को लगाकर संरक्षण करने का वादा किया।

पानी निकासी को लेकर नागरिक परेशान

आमगांव -इन दिनों बारिश के मौसम में शहर के विभिन्न वाडों की विभिन्न समस्याओं की ओर अनदेखी की जा रही है. इसमें अनेक कालोनियों की समस्या की ओर किसी भी जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं है. शहर के बाहरी क्षेत्र में गोंदिया रोड़ पर नारायण नगर, सिध्दार्थ नगर, फंड्स कॉलोनी के साथ ही शहर में ऐसी अनेक कॉलोनियां है जहां नाली के पानी की निकासी सही तरीके से नहीं हो रही है जिसके कारण नागरिक स्वयं ही नाली को साफ कर रहे हैं.

पार्किंग बन रही यातायात में बाधा

गोरेगांव -राष्ट्रीय महामार्ग पर पार्किंग व्यवस्था सड़क पर आ गई है. आधी सड़क पर खड़ी वाहनों की कतारे यातायात के लिए बाधा बन रही है जो दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बन रही है. लेकिन इस विषय पर स्थानीक प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है. शहर का मुख्य मार्केट राष्ट्रीय महामार्ग पर स्थित है. जिसमें निजी व्यापार के साथ ही शासकीय कार्यालय, बैंक, तहसील कृषि कार्यालय तथा कंप्यूटर इंस्टिट्यूट इसी मार्ग पर है.

लाडली बहन के नाम से महिलाओं की आर्थिक लूट ऑनलाइन आवेदन के लिए ले रहे 400 से 500 रु.

गोरेगांव -तहसील में लाडली बहना योजना के आवेदन के लिए इन दिनों महिलाओं को भारी मशकत करनी पड़ रही है. कहीं आवेदन ऑनलाइन के नाम पर तो कहीं दस्तावेज तैयार करने के लिए महिलाओं से आर्थिक लूट शुरू गई है. वहीं दूसरी ओर आंगनवाड़ी सेविकाएं भी इस कार्य में अनदेखी कर रही हैं. ऐसे में इसका लाभ ऑनलाइन कार्य वाले उठा रहे हैं. एक आवेदन ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए 400 से 500 रु. तक महिलाओं से लिए जा रहे हैं. ऐसे मामले अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई पड़ रहे हैं. लेकिन प्रशासन द्वारा इस विषय पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. जिसमें सरपंच संगठन ने आवाज उठाई है. इस विषय पर संगठन अध्यक्ष रॉद चौरागडे ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है. जानकारी के अनुसार हाल ही में महाराष्ट्र सरकार द्वारा पूरे राज्य में लाडली बहन योजना लागू की गई है. जिसके लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड तथा जन्म



प्रमाण पत्र अथवा लिविंग सर्टिफिकेट या चुनाव पहचान पत्र में से कोई एक, साथ में लाभार्थी की फोटो ऑनलाइन करना है. जिसके लिए प्रशासन ने नारी शक्ति दूत ऐप की सुविधा उपलब्ध कराई है. जिससे महिलाएं अपने घरों में बैठ-बैठे इस योजना की ऑनलाइन प्रक्रिया कर सकती है. लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर ग्रामीण यह प्रक्रिया पूर्ण करने में असमर्थ हैं. साथ ही नेटवर्क समस्या एक अलग परेशानी बनी हुई है. जिसका भरपूर लाभ ऑनलाइन कार्य वाले उठा रहे हैं. साथ ही अनेक सेतु केंद्रों में भी निर्धारित फीस से अधिक पैसा ले रहे हैं. प्रशासन द्वारा इस कार्य की जिम्मेदारी महिला बाल विकास विभाग को दी गई है.

बढ़ती जनसंख्या पर ध्यान देना आवश्यक : न्या. आव्हाड

सड़क अर्जुनी -उच्च न्यायालय मुंबई व महाराष्ट्र राज्य विधी सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार तहसील विधि सेवा समिति व तहसील वकील संघ के संयुक्त तत्वावधान में सड़क अर्जुनी स्थित न्यायालय में हाल ही में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया. इस अवसर पर तहसील विधी सेवा समिति के अध्यक्ष तथा दिवानी न्यायाधीश डा. विक्रम आव्हाड, सहायक सरकारी अधि. ओ.एस. गहाणे, एड. बी.टी. मस्करे, एड. सी.पी. शंभरकर व दिवानी न्यायालय सड़क अर्जुनी के सभी



कर्मचारी व पक्षकार वर्ग उपस्थित थे. इस दौरान कानून विषय की शिक्षा ले रही छात्रा सुमेधा नितीन अभंग ने जनसंख्या दिवस का महत्व व उसके पीछे का उद्देश्य समझाया. वहीं न्यायाधीश आव्हाड ने विश्व जनसंख्या दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जनसंख्या वृद्धि के लिए विश्व के प्रत्येक व्यक्ति को बढ़ती

जनसंख्या पर ध्यान देना चाहिए और जनसंख्या नियंत्रण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए. उन्होंने शिक्षा और गरीबी को जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण बताते हुए कहा कि यह मानव जाति के साथ- साथ प्रकृति के लिए भी बड़ा महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि इसके बारे में जागरूक होना सभी के लिए जरूरी है.